



# NATYA KALA

## नाट्य कला

(285)

समय : 2 घण्टे ]

[ पूर्णांक : 60

निर्देश :

- (1) इस प्रश्न-पत्र में 31 प्रश्न हैं जिनमें [A] भाग में 12, [B] भाग में 09, [C] भाग में 06, [D] भाग में 02 और [E] भाग में 02, शामिल हैं।
- (2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (3) प्रत्येक प्रश्न के दाईं ओर प्रश्न के लिए निर्धारित अंक दिया गया है।
- (4) भाग [A] में प्र.सं. 1 से 12 – वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) दिये गये हैं। प्रत्येक 1 अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।
- (5) भाग [B] में प्रश्न सं. 13 से 21 – वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्देशानुसार दें।
- (6) भाग [C] में प्रश्न संख्या 22 से 27 तक अतिलघूत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। निर्देशानुसार उन्हें 30 से 50 शब्दों की सीमा में समाहित किया जाना चाहिए।
- (7) भाग [D] में प्रश्न संख्या 28 और 29 लघूत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। निर्देशानुसार उन्हें 50 से 80 शब्दों की सीमा में समाहित किया जाना चाहिए।
- (8) भाग [E] में प्रश्न संख्या 30 और 31 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। निर्देशानुसार उन्हें 80 से 100 शब्दों की सीमा में समाहित किया जाना चाहिए।

भाग - A

अधोलिखित प्रश्नों में समुचित विकल्प का चयन कीजिए -

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु समुचितं विकल्पं चिनुत -

- 1 नाट्यशास्त्र में नाट्य का अर्थ इनमें से कौन-सा स्वीकार किया गया है? 1
- (क) भरत (ख) नट  
(ग) अभिनेता (घ) पूर्वोक्त सभी
- नाट्यशास्त्रे 'नाट्य' इत्यस्य कोऽर्थः स्वीकृतः?
- (क) भरतः (ख) नटः  
(ग) अभिनेता (घ) पूर्वोक्ताः सर्वे
- 2 नाट्यशास्त्र में पञ्च अवस्थाओं में यह नहीं है? 1
- (क) नियमाप्तिः (ख) व्याप्तिः  
(ग) फलागम (घ) प्राप्त्याशा
- नाट्यशास्त्रे पञ्चसु अवस्थासु इयं नास्ति?
- (क) नियमाप्तिः (ख) व्याप्तिः  
(ग) फलागमः (घ) प्राप्त्याशा
- 3 भारत में चित्रकला की प्रमुख छः शैलियों में यह शैली नहीं है? 1
- (क) महाराष्ट्र-शैली (ख) मुगल शैली  
(ग) वर्तमान शैली (घ) गुजरात शैली
- भारते चित्रकलायाः प्रमुखासु षट् शैलीसु इयं शैली नास्ति?
- (क) महाराष्ट्र-शैली (ख) मुगल-शैली  
(ग) वर्तमान-शैली (घ) गुजरात-शैली
- 4 इनमें से कौन-सा नायक का भेद/प्रकार नहीं है? 1
- (क) अधम (ख) मध्यम  
(ग) प्रथम (घ) उत्तम
- एतेषु कः नायक-भेदः प्रकारो वा नास्ति?
- (क) अधमः (ख) मध्यमः  
(ग) प्रथमः (घ) उत्तमः

- 5 नाट्य के अनिवार्य तत्त्वों में से रस किस वेद से लिया गया है? 1
- (क) ऋग्वेद (ख) सामवेद  
(ग) यजुर्वेद (घ) अथर्ववेद
- नाट्यस्य अनिवार्यतत्त्वेषु रसः कस्मात् वेदात् गृहीतोऽस्ति?
- (क) ऋग्वेदात् (ख) सामवेदात्  
(ग) यजुर्वेदात् (घ) अथर्ववेदात्
- 6 बीभत्स रस का स्थायिभाव इनमें से कौन-सा है? 1
- (क) जुगुप्सा (ख) विस्मय  
(ग) उत्साह (घ) इनमें से कोई नहीं
- बीभत्स-रसस्य स्थायिभावः एतेषु कोऽस्ति?
- (क) जुगुप्सा (ख) विस्मयः  
(ग) उत्साहः (घ) एतेषु न कोऽपि
- 7 दिङ्नाग का स्थितिकाल क्या निर्धारित किया गया है? 1
- (क) ८०० ई. (ख) ९०० ई.  
(ग) १००० ई. (घ) ११०० ई.
- दिङ्नागस्य स्थितिकालः कः निर्धार्यते?
- (क) ८०० ई. (ख) ९०० ई.  
(ग) १००० ई. (घ) ११०० ई.
- 8 कुन्दमाला नाटक में कितने अंक हैं? 1
- (क) पाँच (ख) छः  
(ग) सात (घ) आठ
- कुन्दमालानाटके कति अङ्काः सन्ति?
- (क) पञ्च (ख) षट्  
(ग) सप्त (घ) अष्ट

- 9 कुन्दमाला नाटक के तृतीय अङ्क के अनुसार वाल्मीकि द्वारा प्रेषित ऋषि कौन है ? 1
- (क) शाकटायन (ख) भृगु  
(ग) वसिष्ठ (घ) बादरायण
- कुन्दमाला-नाटकस्य तृतीयम् अङ्कम् अनुसृत्य वाल्मीकिना प्रेषितः ऋषिः कः अस्ति ?
- (क) शाकटायनः (ख) भृगुः  
(ग) वसिष्ठः (घ) बादरायणः
- 10 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की इनमें से कौन सी अनुदित रचना नहीं है ? 1
- (क) रत्नावली (ख) चन्द्रावली  
(ग) मुद्राराक्षस (घ) कर्पूरमञ्जरी
- भारतेन्दु-हरिश्चन्द्रस्य एतासु का अनुदिता रचना नास्ति ?
- (क) रत्नावली (ख) चन्द्रावली  
(ग) मुद्राराक्षसम् (घ) कर्पूरमञ्जरी
- 11 भारतदुर्दशा नामक नाटक में इनमें से कौन सा पात्र है ? 1
- (क) मदिरा (ख) आलस्य  
(ग) अन्धकार (घ) ये सभी
- भारतदुर्दशा-नामकस्य नाटके एतेषु कः पात्रः अस्ति ?
- (क) मदिरा (ख) आलस्यम्  
(ग) अन्धकारः (घ) एते सर्वे
- 12 भारत भाग्य किस अंक में आत्महत्या करता है ? 1
- (क) तीसरे (ख) चौथे  
(ग) पाँचवें (घ) छठे
- भारतभाग्यं कस्मिन् अङ्के आत्महननं करोति ?
- (क) तृतीये (ख) चतुर्थे  
(ग) पञ्चमे (घ) षष्ठे

भाग - B

अधोलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -

अधोलिखितानां प्रश्नानां निर्देशानुसारम् उत्तरं ददत -

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

रिक्तस्थानानि पूरयत -

- 13 \_\_\_\_\_ बौद्ध कवि थे, जिन्होंने शारिपुत्रप्रकरण नामक प्रसिद्ध नाट्य की रचना की। 2  
\_\_\_\_\_ बौद्धः कविः आसीत्, येन शारिपुत्रप्रकरणं नामकं प्रसिद्धं नाट्यं रचितम्।

- 14 काव्यकला का स्थान \_\_\_\_\_ कलाओं में सर्वोत्कृष्ट है। 2  
काव्यकलायाः स्थानं \_\_\_\_\_ कलासु सर्वोत्कृष्टम् अस्ति।

- 15 भवन-निर्माण एवं शिल्प-विज्ञान का नाम \_\_\_\_\_ है। 2  
भवन-निर्माणं शिल्पविज्ञानं च \_\_\_\_\_ इति वर्तते।

समुचित मिलान कीजिये -

समुचितं मेलनं कुरुत -

- |      |            |                              |   |
|------|------------|------------------------------|---|
| 16   | नायक भेद   | विशेषता                      | 2 |
| (i)  | धीरोद्धत   | (क) महासत्त्व, अतिगम्भीर     |   |
| (ii) | धीरोदात्त  | (ख) कलासक्त, सुखी और मृदु    |   |
|      |            | (ग) दर्प और ईर्ष्या से युक्त |   |
|      | नायक-भेदः  | विशेषता                      |   |
| (i)  | धीरोद्धतः  | (क) महासत्त्वः, अतिगम्भीरः   |   |
| (ii) | धीरोदात्तः | (ख) कलासक्तः, सुखी मृदुः च   |   |
|      |            | (ग) दर्पेण ईर्ष्या च युक्तः  |   |

- |      |               |              |   |
|------|---------------|--------------|---|
| 17   | खण्ड-‘अ’      | खण्ड-‘ब’     | 2 |
| (i)  | अनुभाव        | (क) आलम्बन   |   |
| (ii) | व्यभिचारी भाव | (ख) वेपथु    |   |
|      |               | (ग) निर्वेद  |   |
|      | खण्डः-‘अ’     | खण्डः-‘ब’    |   |
| (i)  | अनुभावः       | (क) आलम्बनम् |   |
| (ii) | व्यभिचारिभावः | (ख) वेपथुः   |   |
|      |               | (ग) निर्वेदः |   |

अधोलिखित प्रश्नों के एक शब्द में उत्तर दीजिए –

अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन उत्तराणि ददत –

18 कुन्दमाला का सबसे पहले प्रकाशन कब हुआ था? 2

कुन्दमालायाः सर्वप्रथमं प्रकाशनं कदा अभवत्?

19 अंक की समाप्ति पर जब पात्र मंच से प्रस्थान करते हैं, उस समय गाई जाने वाली ध्रुवा क्या कहलाती है? 2

अङ्कसमाप्तौ यदा पात्राः मञ्चतः प्रस्थानं कुर्वन्ति, तदा गेयमाना ध्रुवा किं कथ्यते?

निम्नलिखित कथनों में सत्य अथवा असत्य का चयन कीजिए –

निम्नलिखितेषु कथनेषु सत्यम् असत्यम् वा चिनुत –

20 रसकौमुदीकार श्रीकण्ड का कहना है कि गीत, काव्य और नाट्य – ये तीनों निरपेक्ष रूप से रस के उद्गम स्थान हैं। 2

रसकौमुदीकारः श्रीकण्डः कथयति यत् गीतं काव्यं नाट्यं च – इमानि त्रीणि निरपेक्षतया रसोद्गमस्थानानि सन्ति।

21 आधुनिक काल में पूर्व और पश्चिम संस्कृति के मेल होने पर भी कलाओं में परिवर्तन नहीं हुए। 2

आधुनिककाले पूर्वपश्चिमयोः संस्कृत्योः मेलने सत्यपि कलासु परिवर्तनं नाभूत्।

### भाग – C

अतिलघुत्तरीय प्रश्न –

अतिलघुत्तरीयाः प्रश्नाः –

22 अनुनायक क्या कार्य करता है? 2

अनुनायकः कानि कार्याणि करोति?

23 अनुकार्य किसे कहते हैं? 2

अनुकार्यः कः कथ्यते?

24 कुन्दमाला नामक नाटक में द्वितीय अंक के प्रारम्भ में प्रवेशक द्वारा कौन कौन सी सूचनाएँ दी जाती है? 2

कुन्दमाला-नामके नाटके द्वितीयाङ्कारम्भे प्रवेशकमुखेन काः काः सूचनाः दीयन्ते?

- 25 भारत दुर्दशा नामक नाटक के प्रथम अंक में योगी लावणी गायन के माध्यम से अतीत के किन किन पुरुषों को याद करते हैं? 2  
भारतदुर्दशा-नामकस्य नाटकस्य प्रथमे अङ्के योगी लावणी-गायनमाध्यमेन भूतकालस्य कान् कान् पुरुषान् स्मरति?
- 26 भारत दुर्दशा नामक नाटक के चौथे अंक में भारत दुर्दशा किन किन को भारत में भेजती है? 2  
भारतदुर्दशा-नामकस्य नाटकस्य चतुर्थे अङ्के भारत-दुर्दशा कान् कान् भारते प्रेषयति?
- 27 प्रासादिकी किसे कहते हैं? 2  
प्रासादिकी का कथ्यते?

#### भाग - D

लघुत्तरीय प्रश्न -

लघुत्तरीया प्रश्नाः -

- 28 मूर्तिकला को संक्षेप में परिभाषित कीजिए। 3  
मूर्तिकलां सङ्क्षेपेण परिभाषध्वम्।
- 29 अनुभाव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3  
अनुभावः इत्याधृत्य सङ्क्षेपेण टिप्पणीं लिखत।

#### भाग - E

दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः -

- 30 चतुर्विध अभिनय का नामोल्लेख करते हुए आहार्य अभिनय का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। 6  
चतुर्विधस्य अभिनयस्य नामोल्लेखपुरस्सरम् आहार्याभिनयस्य सङ्क्षेपेण विवेचनं कुरुत।
- 31 कुन्दमाला नामक नाटक के आधार पर सीता का चरित्र रेखांकित कीजिए। 6  
कुन्दमालानामकं नाटकम् आधारीकृत्य सीतायाः चरित्रचित्रणं कुरुत।

